Scanned with CamScanner

समाजशास्त्र

SEM-III

MJC

Date:- 14/10/25

Topic:- सामाजिक संरचना: मैकाइवर और पेज के विचार

मैकाइवर और पेज ने सामाजिक संरचना की व्याख्या दो भागों में की है -

→ 1. प्रमुख रूपों (Major Forms) के रूप में।

→ 2. सामाजिक शक्तियों (Social Forces) के रूप में।

→ उनके अनुसार समाज केवल व्यक्तियों का समूह नहीं होता, बल्कि यह विभिन्न भागों (parts) या संस्थाओं (institutions) का संगठित एवं व्यवस्थित रूप है, जो मिलकर एक संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करते हैं। समाज के प्रत्येक भाग का अपना एक विशेष कार्य होता है, परंतु वे सभी मिलकर समाज को एकीकृत एवं समन्वित रूप प्रदान करते हैं।

→ सामाजिक संरचना अपने आप में स्वतंत्र नहीं होती, बल्कि यह कई प्रकार की संस्थाओं - जैसे- परिवार, धर्म, जाति, वर्ग, गाँव, राज्य आदि का संयोजन है।

→ प्रत्येक संस्था समाज में एक निश्चित भूमिका निभाती है।

→ समाज की एकता केवल अस्तित्व से नहीं होती बल्कि उनके बीच समन्वय और पारस्परिक संबन्धों से होती है।

→ उदाहरण -
भारतीय समाज की संरचना में परिवार, जाति, ग्राम, पंचायत आदि प्रमुख भाग हैं। प्रत्येक भाग समाज की व्यवस्था में योगदान देता है। जैसे- परिवार सामाजिक नियंत्रण का प्रमुख माध्यम है, जाति सामाजिक स्तरीकरण प्रदान करती है। ग्राम स्थानीय इकाई के रूप में काम करते हैं। इत्यादि।

→ मैकाइवर और पेज ने यह भी कहा है कि केवल सामाजिक संस्थाओं की गिनती कर देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी आवश्यक है कि ये संस्थाएँ कैसे मिलकर एक संगठन (Social organization) का निर्माण करती हैं।

Ajanta Officer